

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 6 नवम्बर 1986

सं० ओ० वि०/एफ०डी/81-86/41686.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० बोनी रब्बड़ कम्पनी प्रा० लि०, 9-ई, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री छविनाथ मिश्र, गांव व डा० मुहम्मदपुर, जिला छपरा सारण (बिहार) 841223 तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामलें हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलें हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री छविनाथ मिश्र की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/81-86/41693.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० बोनी रब्बर कम्पनी प्रा० लि०, 9-ई, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री श्रीराम, पुत्र रामनरेश, गांव व डा० विशुनपुरा राजा बड़ा, डा० गोलाबाजार, जिला गोरखपुर (यू०पी०) तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामलें हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलें हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री श्री राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/81-86/41700.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० बोनी रब्बड़ कम्पनी प्रा० लि०, 9-ई, सैक्टर-6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री मुमताज आलम, पुत्र फीदाहुसेन, गांव खेसराही, डा० पातेपुर, जिला वैशाली (बिहार) तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामलें हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलें हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं ।

क्या श्री मुमताज आलम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/81-86/41707.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० बोनी रब्बड़ कम्पनी प्रा० लि०, 9-ई, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रामदास, पुत्र श्री रामविलास, गांव कोटिया, डा० दुधरा, जिला गोरखपुर (यू०पी०) तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या विवादग्रस्त मामला/मामलें हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामलें हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री रामदास की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?